रेकी चिकित्सा

चन्द्र प्रकाश कुमार
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

रेकी (Reiki) एक जापानी शब्द है जो "आध्यात्मिक रूप से निर्देशित जीवन शक्ति ऊर्जा" को दर्शाता है। रे (Rei) का अर्थ है 'ईश्वर की उच्च शक्ति' और की (ki) का अर्थ है 'जीवन शक्ति ऊर्जा'। यह समझा जाता है कि बुद्ध और जीसस अपने अनुयायियों को जिस प्रकार ठीक करते थे, हम वर्तमान समय में उसे रेकी कहते हैं। लेकिन बहुत लंबे समय तक उनके बाद, ऐसी चिकित्सा तकनीक का विस्मरण बना रहा। बाद में डॉ मिकाओ उसुई ने 20वीं शताब्दी की शुरुआत में इस तकनीक को फिर से स्थापित किया और वहां से यह पश्चिमी दुनिया में फैल गयी। मिकाओ उसुई ने कई व्यक्तियों को रेकी हीलिंग की शिक्षा (attunement) दी, जिन्होंने आगे और अधिक लोगों को इसमें शिक्षित (attune) किया। इस तरह यह तकनीक दुनिया के कई हिस्सों में फैल गयी।

रेकी हीलिंग क्लाइंट के शरीर के विभिन्न हिस्सों पर हाथ रखकर की जाती है। हीलर (healer) केवल एक माध्यम की तरह कार्य करता है। सार्वभौमिक जीवन शक्ति ऊर्जा क्लाइंट को हीलर के माध्यम से प्रेषित होती है। रेकी को कई बीमारियों में प्रभावी पाया गया है और यह हमेशा एक सकारात्मक प्रभाव पैदा करती है। इसका उपयोग अन्य चिकित्सा या चिकित्सीय तकनीकों के साथ संयोजन में किया जा सकता है।

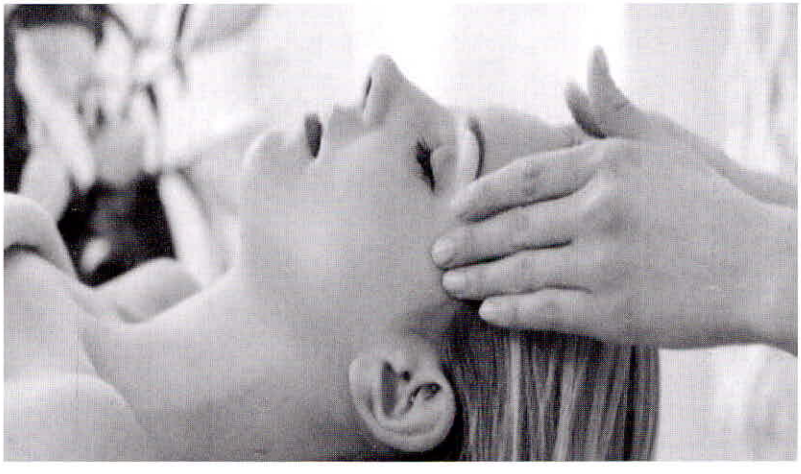

रेकी सीखने की बहुत ही सरल तकनीक है। यह एक रेकी कक्षा के दौरान छात्र को रेकी मास्टर से हस्तांतरित की जाती है। इस प्रक्रिया को रेकी मास्टर द्वारा "Attunement" कहा जाता है। यह छात्र को अपने स्वयं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए "जीवन शक्ति ऊर्जा" की असीमित आपूर्ति करने में सक्षम बनाता है और दूसरों को आरोग्य करने की क्षमता भी प्रदान करता है। रेकी छात्रों को उनके रोजमर्रा के जीवन में अनुसरण करने के लिए पांच बुनियादी सिद्धांतों का पालन करना सिखाया जाता है।

(1) बस आज के लिए क्रोध मत करो।
(2) चिंता मत करो और कृतज्ञता से भरे रहो।
(3) अपने काम के लिए खुद को समर्पित करो।
(4) लोगों के प्रति दयालु बनो।

(5) रोज सुबह और शाम प्रार्थना में अपने हाथ जोड़ो।

रेकी का उपयोग किसी भी समय और किसी भी स्थिति में किया जा सकता है। इसके लिए हम अपने आप पर या किसी अन्य पर हाथ रख कर हील (heal) कर सकते हैं। यह ऊर्जा क्लाइंट के उपस्थित न होने की दशा में (डिस्टेंट रेकी) भी दी जा सकती है। यह न केवल विभिन्न बीमारियों में मदद करती है, बल्कि कई अन्य मुद्दों के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है जैसे –

(1) किसी कमरे/घर से नकारात्मक ऊर्जा को हटाना
(2) कार्मिक बैंड हीलिंग (रिश्तों में सुधार)
(3) स्थिति/गुण चिकित्सा
(4) क्रिस्टलीय रेकी (केवल व्यक्तिगत रूप में की जा सकती है)–किसी भी आघात के कारण शरीर पर बनने वाले क्रिस्टल को हील (heal) करने के लिए
(5) डी एन ए रेकी – डी एन ए की हीलिंग (विरासत में मिली नकारात्मक आनुवांशिकी और बीमारियां)
(6) स्थान रेकी–किसी स्थान के शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव को ठीक करती है
(7) पिछला जीवन रेकी–पिछले जीवन से सम्बंधित रुकावटों को ठीक करना (3 सत्र आवश्यक हैं)

वर्तमान में रेकी के कई रूप मौजूद हैं, जैसे कि उसुई (Usui) रेकी, करुणा (Karuna) रेकी, कुंडलिनी (Kundalini) रेकी आदि। धीरे–धीरे यह एक वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में बहुत लोकप्रिय होती जा रही है, लेकिन इसे पारंपरिक उपचार के प्रतिस्थापन के रूप में नहीं लेना चाहिए। बल्कि इसका उपयोग शरीर, मन और आत्मा के समग्र उपचार में एक अतिरिक्त सहायता के रूप में किया जाना चाहिए।

चन्द्र प्रकाश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की को नेमरोड केडेम, रेकी मास्टर द्वारा मई 2015 के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा की कुंडलिनी रेकी विधि द्वारा attunement किया गया था।

चन्द्र प्रकाश कुमार की कुंडलिनी रेकी वंशावली –

1. मास्टर कुथुमी
2. ओले गेब्रियलसन
3. जॉन हिक्स
4. स्टीफन कम्मफरहोफर
5. नेमरोड केडेम
6. चन्द्र प्रकाश कुमार

रुड़की में व्यक्तिगत रूप से रेकी उपचार के लिए (केवल सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में) संपर्क किया जा सकता है। डिस्टेंट रेकी के लिए नाम, फोटो, वर्तमान स्थान और हीलिंग के उद्देश्य की आवश्यकता होगी।

उपरोक्त विवरण का youtube वीडियो यहाँ पर देख सकते हैं –
https://www.youtube.com/watch?v=qqyyXvwTuIQ